

रॉबर्ट वानॉय, निर्वासन से निर्वासन, व्याख्यान 1बी

निर्गमन की प्रारंभिक और अंतिम तिथि

विलंबित तिथि तर्क

3. 1200 ईसा पूर्व कनान विनाश स्तर के शहरों का पुरातत्व

हमने देर से तारीख देखने के लिए दो तर्कों पर गौर किया है। देर से तारीख के सिद्धांत के लिए तीसरा तर्क कनान देश के शहरों में पुरातात्विक खुदाई के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसका उल्लेख जोशुआ की पुस्तक में किया गया है, जिसे विजय के समय इज़राइलियों ने ले लिया था। कई मामलों में वे शहर जिनका उल्लेख जोशुआ में किया गया था और जोशुआ द्वारा लिया गया था, लगभग 1250 से 1200 ईसा पूर्व में विनाश का स्तर दिखाते हैं उदाहरण के लिए, लाकीश शहर में आपके पास विनाश का स्तर 1250-1200 ईसा पूर्व है यदि आप जोशुआ को देखते हैं 10:32 तुम वहाँ पढ़ते हो, “यहोवा ने लाकीश को इस्राएल के वश में कर दिया, और दूसरे दिन यहोशू ने उसे ले लिया। उसने नगर और उसमें रहने वाले सभी लोगों को वैसे ही तलवार से मार डाला जैसा उन्होंने लिब्ना के साथ किया था।” बेथेल और हासोर में एक ही समय में विनाश के स्तर हैं। डेबीर में भी एक है। यदि आप यहोशू 10:38 को देखें, “यहोशू और समस्त इस्राएल ने घूमकर दबीर नगर पर आक्रमण किया। उन्होंने राजा, ग्रामीणों, सैनिकों को पकड़ लिया और उन्हें तलवार से मार डाला। उन्होंने उस में सब को तलवार से मार डाला; उन्होंने कोई जीवित नहीं छोड़ा। उन्होंने दबीर और उसके राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उन्होंने लिब्ना और उसके राजा के साथ किया था।”

यदि आप अपने उद्धरण पृष्ठ 5, पैराग्राफ सी, आरके हैरिसन के, *पुराने नियम का परिचय*, हैरिसन कहते हैं, को देखते हैं, और निश्चित रूप से जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है हैरिसन देर से तारीख के समर्थकों में से एक है, "इस प्रकार यदि विजय का एक स्पष्ट दृष्टिकोण है अवधि प्राप्त करने के लिए, उन घटनाओं के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है जो इसकी विशेषता थीं और जो जोशुआ की मृत्यु के बाद हुईं, जब मूल कनानी आबादी का पुनरुत्थान हुआ। विजय को बेथेल,

लाकीश, दबीर, हेब्रोन, गिबिया और हासोर जैसे स्थलों पर पुरातात्विक अन्वेषण के तथ्यों से चित्रित किया जा सकता है, जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि इन स्थानों पर स्वर्गीय कांस्य युग के उत्तरार्ध में कब्जा कर लिया गया था या नष्ट कर दिया गया था। कनान में पुरातात्विक काल के लिए, अंतिम कांस्य युग 1500 से 1200 ईसा पूर्व है। ध्यान दें कि हैरिसन इस अगले वाक्य में क्या कहता है, "यदि इस विनाशकारी गतिविधि को जोशुआ के अभियानों के साथ जोड़ा जाना है जैसा कि बाइबिल के स्रोतों में उल्लिखित है," जोशुआ 11 में :16 और इसके बाद अध्याय 10 भी, "ऐसा प्रतीत होता है कि समग्र रूप से भूमि पर इजरायली आक्रमणकारियों द्वारा तुलनात्मक तीव्रता के साथ कब्जा कर लिया गया था, हालांकि उत्तरी और दक्षिणी जनजातियों को अलग करने वाले कनानी प्रतिरोध के एक बेल्ट सहित सभी गढ़वाले गढ़ों पर नहीं, उस समय कम कर दिए गए थे।" तो तर्क यह है कि इन शहरों में विनाश के स्तर हैं जिनका उल्लेख जोशुआ ने किया था। वे विनाश स्तर 1250-1200 ईसा पूर्व के हैं। तब धारणा यह है कि उन विनाश स्तरों को इजरायल की विजय के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है और इसलिए निर्गमन के लिए 13

वीं शताब्दी, या देर की तारीख का समर्थन किया जाता है। प्रतिक्रिया: अब यह एक धारणा है। जब आप मेरिल को इस और अन्य लोगों की चर्चा में पढ़ेंगे जिन्होंने इसी तरह की बातें लिखी हैं, यदि आप वास्तव में विजय के बाइबिल विवरण को ध्यान से पढ़ते हैं, तो केवल तीन शहर हैं जिनके बारे में विशेष रूप से कहा गया है कि उन्हें इजरायलियों द्वारा नष्ट कर दिया गया था। विजय के समय और वे तीन यरीहो, ऐ और हासोर हैं, जहाँ यह कहा गया है कि नगर जला दिए गए थे। जैसा कि आप जानते हैं, जेरिको में दीवारें गिर गईं। यदि आप पीछे जाते हैं तो आप देखते हैं कि यहोशू 10 श्लोक 32 में लाकीश के बारे में क्या कहता है, "प्रभु ने लाकीश को इस्राएल को सौंप दिया। यहोशू ने नगर पर कब्जा कर लिया और उसमें रहने वाले सभी लोगों को तलवार से मार डाला।" यह नहीं कहता कि उसने शहर को जला दिया या शहर को नष्ट कर दिया। तो आप उस तर्क को तीसरा तर्क बनाने के लिए उन स्वर्गीय कांस्य विनाश स्तरों को इजरायल की विजय के साथ जोड़ते हुए देखते हैं।

समीक्षा करने के लिए, अंतिम तिथि, 13^{वीं} शताब्दी, 19^{वें} राजवंश निर्गमन के समर्थन में आपके पास सबसे पहले पिथोम और रामेसेस के साथ निर्गमन 1:11 है। दूसरा, नेल्सन ग्लिक से

ट्रांस-जॉर्डन में कम से कम 1300 से पहले आपकी कोई गतिहीन आबादी नहीं थी। तीसरा, आपके पास कुछ शहरों में विनाश के स्तर हैं जिनका उल्लेख यहोशू में इस्राएलियों द्वारा ले लिए जाने के रूप में किया गया है। तर्क यह है कि उन विनाश स्तरों को जोशुआ के तहत इज़राइल की प्रारंभिक विजय के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। अब यह पुरातत्व के साथ अधिक समस्या है। जब आप वहां जाते हैं और आपको विनाश का स्तर मिलता है, तो ऐसा कोई संकेत नहीं है जो कहता हो कि यह यहोशू और इस्राएलियों द्वारा किया गया था। वास्तव में इसमें कुछ हद तक अनुमान शामिल होता है।

4. जजों ने सेटी I और रामसेस II के फ़िलिस्तीनी अभियानों के बारे में कुछ नहीं कहा

चौथा तर्क यह है कि न्यायाधीशों की पुस्तक सेटी I और रामसेस II के फ़िलिस्तीनी अभियानों के बारे में कुछ नहीं कहती है। अब अगर हम यहां 19^{वें} राजवंश में वापस जाएं, तो हम जानते हैं कि सेटी और रामसेस द्वितीय दोनों ने कनान की भूमि तक और यहां तक कि उत्तर में उससे भी आगे सैन्य अभियान चलाया। वर्ष 1279 में, रामसेस द्वितीय ने ओरोन्टेस नदी पर कादेश में लड़ाई लड़ी, जो सीरिया में बेरूत के उत्तर में है। उसने वहां हितियों से युद्ध किया। हित्ती साम्राज्य दक्षिण की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा था और मिस्रवासी नहीं चाहते थे कि हित्ती नीचे जाएँ इसलिए उन्होंने अपनी सेनाएँ उत्तर की ओर भेज दीं। उनके बीच लड़ाई हुई और यह गतिरोध था। वास्तव में कोई विजेता या हारा हुआ नहीं था। फिर उन्होंने जो किया वह एक गैर-आक्रामकता संधि पर हस्ताक्षर करना था। हमारे पास रामसेस द्वितीय के समय हित्तियों और मिस्रियों के बीच हस्ताक्षरित उस गैर-आक्रामकता संधि की एक हित्ती प्रति और एक मिस्र की प्रति है। तो हम जानते हैं कि रामसेस द्वितीय ने 1200 के दशक में कनान की भूमि पर एक सेना ली थी।

यदि आप अपने उद्धरणों को देखें, पृष्ठ 4, पैराग्राफ बी, तो यह फिर से फाइनगन की पुस्तक *लाइट फ्रॉम द एंशिपेंट पास्ट* से है जहां वह कहते हैं, "अब सेटी के शिलालेख में फिलिस्तीन और सीरिया, पेकानन ("कनान") में अभियानों की बात करता हूं।, रेटेनु, और कादेश उल्लिखित स्थानों में से हैं। एक शिलालेख में उनकी मिस्र वापसी के बारे में कहा गया है, 'उनकी महिमा देशों से आई थी... जब उन्होंने रेटेनू को उजाड़ दिया था और उनके प्रमुखों को मार डाला था, जिससे एशियाइयों

ने कहा था: "यह देखो!" वह उस लौ की तरह है जो बाहर जाती है और पानी नहीं लाती है।" वास्तव में 'एशियावासी' मिस्र की शक्ति से उतने भयभीत नहीं थे जितना मैं सेती पर विश्वास करता हूं, और उनके उत्तराधिकारी, रामसेस द्वितीय को पूरे साठ के दशक में युद्ध करना पड़ा था। उनके विरुद्ध उसके शासन के सात वर्ष। हालाँकि हितियों के साथ प्रसिद्ध कादेश-ऑन-द-ओरेंटिस युद्ध में उनकी एकमात्र जीत पूर्ण विनाश से बचने में थी, रामसेस द्वितीय की व्यक्तिगत वीरता को मिस्र के कई दृश्यों में गर्व से चित्रित किया गया था।

अब जिस तरह से यह तर्क काम करता है वह इस प्रकार है: यदि इज़राइल 1400 के दशक में मिस्र से बाहर चला गया और आपके पास निर्गमन की प्रारंभिक तारीख है, तो इसका मतलब यह होगा कि आप 1300 और 1200 के दशक में इस समय तक आते हैं जहां सेती और रामसेस आगे बढ़ रहे हैं। उनकी सेनाएँ कनान देश में ऊपर-नीचे आ रही थीं। यदि आपके पास पलायन की प्रारंभिक तिथि है तो आप न्यायाधीशों के समय में होंगे। यदि न्यायाधीशों की पुस्तक में मिद्यानियों के उत्पीड़न, अम्मोनियों के उत्पीड़न, पलिशती उत्पीड़न और इसराइल की सीमा से लगे विभिन्न लोगों के स्पष्ट संदर्भ हैं जो इस्राएलियों पर अत्याचार कर रहे थे, तो यह अजीब बात है कि आपके पास मिस्र की सेनाओं के ऊपर जाने का कोई संदर्भ नहीं है और पूरे कनान देश में।

प्रतिक्रिया: तो वास्तव में सेती और रामसेस के अभियानों पर न्यायाधीशों की पुस्तक में किसी भी उल्लेख की अनुपस्थिति के कारण तर्क चुप्पी से है। क्या आप उसका पालन करते हैं? यह मौन से एक तर्क है। यह कोई बहुत मजबूत प्रकार का तर्क नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि सेती और रामसेस वहां से नहीं जा सकते थे, इसका मतलब सिर्फ यह है कि न्यायाधीशों की पुस्तक ने कनान देश में मिस्र की गतिविधि के बारे में रिपोर्ट करने का विकल्प नहीं चुना। लेकिन यही तर्क है।

5. मेरनेष्टाह शिलालेख टर्मिनस तिथि वे वास्तव में चार तर्क हैं। मैं आपको पांचवां बिंदु देना चाहता हूं जो विलंबित तिथि के लिए टर्मिनस तिथि निर्धारित करता है। देर की तारीख की सीमा जिसके आगे मुझे नहीं लगता कि आप जा सकते हैं, 1234-1222 ईसा पूर्व के फिरौन मेरनेष्टा के एक पत्थर के शिलालेख द्वारा निर्धारित की जाती है, उसके शासनकाल के पांचवें वर्ष में मेरनेष्टा के शिलालेख

में, इनमें से किस पर निर्भर करता है आप कालानुक्रम देखें - आम तौर पर इसे 1220 के आसपास रखा जाता है - वह कनान देश में विभिन्न लोगों और शहरों को हराने के बारे में बात करता है। वह उनमें से नाम से "इज़राइल" का उल्लेख करता है। कभी-कभी इस मेरनेष्टाह शिलालेख को "इज़राइल शिलालेख" कहा जाता है। यह बाइबिल से इतर स्रोतों में इज़राइल का पहला संदर्भ है। लेकिन इसका मतलब यह है कि इस्राएली 1220 ईसा पूर्व से पहले कनान में रहे होंगे और यदि आप कनान देश में आने से पहले जंगल में घूमने के लिए चालीस साल लेते हैं और इसे जोड़ते हैं, तो यह तारीख के लिए 1260 से कुछ पहले का समय सुझाएगा। निर्गमन, 1260 ईसा पूर्व 1220 तक मेरनेष्टा के अनुसार इज़राइल कनान में था। तो देर की तारीख की सीमा, आप इसे कितनी देर तक आगे बढ़ा सकते हैं, वास्तव में उस मिस्र के शिलालेख द्वारा निर्धारित की जाती है जो इज़राइल को संदर्भित करता है।

बी. प्रारंभिक तिथि

आइए आरंभिक तिथि के दृष्टिकोण पर चलते हैं - मिस्र के 18^{वें} राजवंश और 1400 ईसा पूर्व में मुझे लगता है कि यदि आप देर की तारीख के लिए इन तर्कों को देखते हैं तो इनमें से बहुत से मौन से तर्क हैं: कोई गतिहीन आबादी नहीं, फ़िलिस्तीनी आक्रमण का कोई संदर्भ नहीं मिस्र द्वारा, ये मौन के तर्क हैं। कनानी शहरों के विनाश के स्तर को देखते हुए, यह माना जाता है कि इज़राइल इसका एजेंट है। यह स्पष्ट नहीं है। देर की तारीख के लिए सबसे मजबूत तर्क निर्गमन 1:11 है जिसमें रामसेस का उल्लेख है।

1. 1 राजा 6:1 - सुलैमान से 480^{वाँ} वर्ष पहले

जब हम प्रारंभिक तिथि पर आते हैं, तो सबसे मजबूत तर्क फिर से बाइबिल का कथन है। यह 1 राजा 6:1 है, जो कहता है, " इस्राएलियों के मिस्र से निकलने के 480^{वें} वर्ष में, इस्राएल पर सुलैमान के शासन के चौथे वर्ष में ज़िव के महीने में, दूसरे महीने में, उसने मंदिर का निर्माण शुरू किया प्रभु की।" इसलिए सुलैमान के शासनकाल के चौथे वर्ष में उसने मंदिर का निर्माण शुरू किया, और यह निर्गमन के 480 वर्ष बाद था। हम सुलैमान के शासनकाल के चौथे वर्ष की तारीख बता

सकते हैं। 1 और 2 राजाओं की पुस्तकों में आपको उत्तरी साम्राज्य के राजाओं और दक्षिणी साम्राज्य के राजाओं-इज़राइल और यहूदा का समकालिक कालक्रम कहा जाता है। मुझे लगता है कि आप इस पाठ से इतना परिचित हैं कि आप यह जान सकते हैं कि जिस तरह से पढ़ा जाता है वह तब होता है जब उत्तर में एक निश्चित राजा ने शासन करना शुरू किया: यह दक्षिण में किसी राजा के शासन के पांचवें वर्ष में था और उसने x वर्षों तक शासन किया। , ताकि उत्तरी राजाओं का शासनकाल दक्षिणी राजाओं के शासनकाल के साथ तालमेल बिठाया जा सके और इसके विपरीत भी। और जब एक दक्षिणी राजा शासन करना शुरू करता है, तो उत्तर में एक निश्चित राजा शासन करना शुरू करता है, और आप उसी तरह आगे-पीछे काम करते हैं। तो वहाँ एक तुल्यकालन कालक्रम प्रदान किया गया है। इज़राइल और यहूदा के राजाओं के कालक्रम में कुछ बिंदु हैं जहाँ हम असीरियन कालक्रम में संबंध बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, येहू ने 840 में शल्मनेसर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसका उल्लेख बाइबिल में और असीरियन अभिलेखों में भी किया गया है। तो आप कनेक्शन बना सकते हैं। असीरियन कालानुक्रमिक रिकॉर्ड उनके राजाओं के शासनकाल को खगोलीय तिथियों जैसे ग्रहण और उस प्रकार की चीजों से जोड़ते हैं ताकि उन प्रकार के संदर्भों से आप असीरियन राजाओं के शासनकाल के लिए एक पूर्ण तिथि स्थापित कर सकें और फिर इज़राइली कालक्रम के लिए एक तिथि पर काम कर सकें। और इज़राइली कालक्रम में कुछ बिंदुओं के लिए पूर्ण तिथियां प्राप्त करें। यदि आपके पास कुछ बिंदु हैं तो आप अन्य तिथियों को स्थापित करने के लिए आगे-पीछे काम करते हैं क्योंकि आप अक्सर जानते हैं कि प्रत्येक राजा ने कितने समय तक शासन किया। मैंने इस प्रक्रिया को सरल बना दिया है, जो बेहद जटिल है। यदि आप वास्तव में रुचि रखते हैं, तो एडविन थिएले की पुस्तक *द मिस्टीरियस नंबर ऑफ द हिब्रू किंग्स प्राप्त करें*। यह इज़राइली राजाओं के समकालिक कालक्रम और जटिल मुद्दों का एक पुस्तक-लंबा उपचार है। उन्होंने इस समस्या को देखते हुए बहुत अच्छा काम किया है। अधिकांश लोग इस बात से सहमत हैं कि आप इस्राएल के राजाओं के शासनकाल की तारीखों के लिए एक ठोस आधार पर पहुँच सकते हैं।

एक लंबी कहानी को संक्षेप में कहें तो, हम जानते हैं कि सुलैमान का चौथा वर्ष 966-967 था क्योंकि हम राजाओं के शासनकाल के वर्षों की जांच करने के लिए बाद के बिंदु से काम कर सकते

हैं। यदि सुलैमान के शासन का चौथा वर्ष 966 या 967 है और वह निर्गमन के 480 वर्ष बाद है, तो वह आपको क्या बताता है? निर्गमन 1446 ईसा पूर्व में हुआ था। आप 18^{वें} राजवंश में वापस जाएँ और वह अमेनहोटेप द्वितीय का समय है। बहुत से लोगों के लिए जो तर्क को सुलझाता है—1 राजा 6:1 ऐसा कहता है। सुलैमान के शासन के चौथे वर्ष के समय से 480 वर्ष पहले और आपके पास निर्गमन की तिथि है। इसलिए आगे कोई चर्चा नहीं है।

1 राजा 6:1 की देर से तारीख की व्याख्याएं मुझे लगता है कि फिर सवाल उठता है कि देर से तारीख की वकालत करने वाले 1 राजा 6:1 के साथ क्या करते हैं? केए किचन और आरके हैरिसन के पास पवित्रशास्त्र के बारे में एक मजबूत दृष्टिकोण है, फिर भी उन्होंने देर से डेट करने का विकल्प चुना है। दो अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। आम तौर पर लोग कहते हैं, कुछ का सुझाव है कि यह 480 वर्ष एक प्रकार की योजनाबद्ध संख्या होनी चाहिए। अक्सर यह सुझाव दिया जाता है कि यह 40 वर्षों की 12 पीढ़ियों के लिए एक योजनाबद्ध संख्या है। एक पीढ़ी के लिए 40 वर्ष लेना एक मनमानी संख्या की तरह है और 12 गुना 40 लेते हैं और आप 480 के साथ आते हैं। अच्छा आप कहते हैं कि आपको 12 कहाँ से मिलेंगे यदि आप कहते हैं कि यह मूसा से लेकर सुलैमान तक के महान नेताओं के लिए एक योजनाबद्ध है। आप इसे इस तरह से गिन सकते हैं। आपके पास मूसा और यहोशू हैं, ये दो हैं। यहोशू के बाद आपको न्यायाधीशों की पुस्तक में छह प्रमुख न्यायाधीश मिलते हैं, यानी कुल आठ। और न्यायियों की पुस्तक के बाद आपको एली, सैमुअल, शाऊल और डेविड मिलते हैं, ये चार और हैं। तो आप देखिए जहां तक प्रमुख नेताओं की बात है, मूसा से लेकर डेविड तक आपको 12 मिले हैं। मूसा, यहोशू, छह प्रमुख न्यायाधीश [ओत्नीएल, एहुद, गिदोन, डेबोरा, यिप्तह और सैमसन] और फिर एली, सैमुअल, शाऊल और डेविड। तो ये 12 प्रमुख नेता हैं जो इतिहास का विस्तार करते हैं। लेकिन हकीकत में एक पीढ़ी 40 साल से ज्यादा 25 साल के बराबर होती है। 25 का बारह गुना 300 है। यदि आप 966 और 300 लेते हैं तो आप 1266 पर हैं, और आप अंतिम तिथि पर वापस आ गए हैं। तो यह एक तरीका है जिससे लोग बहस करते हैं। दूसरे शब्दों में, वे कह रहे हैं कि आपको 480 को 480 वास्तविक वर्षों के रूप में नहीं बल्कि 12 पीढ़ियों के लिए एक योजनाबद्ध संख्या के रूप में लेना होगा।

केए किचन के पास इस 1 किंग्स 6:1 मार्ग से निपटने का एक अलग तरीका है। वह 480 को समग्र संख्या के रूप में बोलते हैं। अब इससे उनका तात्पर्य थोड़ा जटिल है। उनका कहना है कि संख्या एक सटीक संख्या है लेकिन यह विभिन्न घटक भागों का एक समुच्चय है जिसके बारे में अब हम नहीं जानते हैं। लेकिन यह आंकड़ा वास्तविक और विश्वसनीय है लेकिन इसमें ऐसे घटक शामिल हैं जो ओवरलैप होते हैं। ताकि वास्तविक वर्षों में संख्या को कम किया जा सके। अब मैं आपको आपके उद्धरणों के पृष्ठ 6 की ओर इंगित करता हूँ और उसे अपने शब्दों में समझाने देता हूँ। जैसा कि मैंने कहा है यह बहुत जटिल है। उनका यही तर्क है। पृष्ठ 6 के मध्य में पैराग्राफ सी को देखें। यह उनकी पुस्तक *द एंशिअंट ओरिएंट एंड द ओल्ड टेस्टामेंट* से है और यहां एक्सोडस से सोलोमन तक की चर्चा है, 1 किंग्स 6 मार्ग, वह कहते हैं, "यहाँ, साक्ष्य अधिक हैं उलझा हुआ। अब तक उपयोग किए गए प्राथमिक साक्ष्य और बाइबिल डेटा निर्गमन से सोलोमन के प्रारंभिक वर्षों (लगभग 971/970 ईसा पूर्व) तक लगभग 300 वर्षों के अंतराल का संकेत देते हैं।" देखिये, वह देर से तारीख के पक्षधर हैं, इसलिए उनका कहना है कि इस देर से तारीख के तर्क का प्राथमिक साक्ष्य और बाइबिल डेटा सोलोमन के निर्वासन से लगभग 300 वर्षों का अंतराल है। "उसी अंतराल के लिए, आई किंग्स 6:1 480 वर्ष देता है, जबकि एक्सोडस से 1 किंग्स तक की पुस्तकों में सभी व्यक्तिगत आंकड़ों को जोड़ने पर कुल 553 वर्ष और तीन अज्ञात राशियाँ मिलती हैं जिन्हें यहाँ 'x' कहा जाएगा। दूसरे शब्दों में, यदि आप निर्गमन से लेकर 1 राजाओं तक के प्रत्येक कालानुक्रमिक विवरण को देखें और उन्हें जोड़ें, तो आपको 553 प्लस अन्य अज्ञात राशि प्राप्त होगी। अब इनमें से बहुत से कालानुक्रमिक कथन न्यायाधीशों की पुस्तक में घटित होते हैं। एक न्यायाधीश खड़ा होता है और इस्राएल को x वर्षों के लिए बचा लेता है और उन पर 20 वर्षों तक अत्याचार किया जाता है, फिर उन्हें 40 वर्षों तक आराम मिलता है। फिर उन पर फिर से अत्याचार किया गया और आपको ये सभी 40 वर्ष, 20 वर्ष और 40 वर्ष की संख्याएँ मिलेंगी। सवाल यह है कि क्या उत्पीड़न और विश्राम के ये सभी समय एक के बाद एक क्रमिक थे, या उनमें से कुछ अतिव्यापी होने के साथ अधिक क्षेत्रीय थे? इस बिंदु पर यह बहुत जटिल हो जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप शुरुआती तारीख के वकील थे या देर की तारीख के वकील, आप यह निष्कर्ष निकालने के लिए मजबूर होंगे कि कालक्रम में ओवरलैपिंग है। हम उस पर वापस आएंगे। देर से आने वाली तारीख

को शुरुआती तारीख की तुलना में उन संख्याओं को बहुत अधिक संपीड़ित करना होगा। लेकिन हर किसी को उस 553 साल और कुछ अज्ञात राशि से निपटना होगा।

फिर, किचन आगे कहता है, "इसके अलावा, रूथ 4:18-22 में डेविड की पांच पीढ़ियों की वंशावली उसके और निर्गमन के बीच 260 वर्षों या उसके आसपास आसानी से नहीं बढ़ सकती है, और इसलिए यह संभवतः एक चयनात्मक है।" वंशावली के लिए संपीड़न सामान्य नियम है। "परन्तु याजक सादोक की (1 अध्याय 6:3-8) पीढ़ियाँ लगभग 300 वर्ष की होंगी। वंशावली को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए; लेकिन हमारे प्राथमिक साक्ष्य के लिए आवश्यक लगभग 300 वर्षों के अंतराल की तुलना में हम 480 और 553-प्लस-एक्स वर्षों का क्या मतलब निकालेंगे? अब यह प्राथमिक साक्ष्य निर्गमन 1, पिथोम और रामेसेस और कनानी शहरों के विनाश स्तर पर वापस जा रहा है। यहां उनकी टिप्पणी है, "सिद्धांत रूप में, यह समस्या इतनी विरोधाभासी नहीं है जितनी यह दिखाई दे सकती है, अगर हम याद रखें कि पुराना नियम भी प्राचीन निकट पूर्व का एक हिस्सा है, और इसलिए प्राचीन ओरिएंटल सिद्धांतों को लागू किया जाना चाहिए। इस प्रकार, सामान्य राजा सूचियों और ऐतिहासिक आख्यानों में, प्राचीन शास्त्रियों और लेखकों में आमतौर पर समकालिक तालिकाएँ और क्रॉस-रेफरेंस शामिल नहीं होते थे जैसा कि हम आज करते हैं। सिंक्रोनिज़्म विशेष और अलग ऐतिहासिक कार्यों का विषय थे। बाइबिल के शब्दों में, ऐतिहासिक-धार्मिक उद्देश्य के साथ एक कथा के रूप में न्यायाधीश समकालिकता (इसकी कहानी के हिस्से के रूप में उत्पीड़कों को छोड़कर) से निपटते नहीं हैं, जबकि किंग्स इज़राइल और यहूदा का एक समकालिक इतिहास है (जबकि एक चयनात्मक धार्मिक लेखन भी) कुछ में असीरिया और बेबीलोनिया के तथाकथित 'तुल्यकालिक इतिहास' के साथ तुलनीय डिग्री।

यहां, एक मिस्र का उदाहरण एक समानांतर समस्या के रूप में शिक्षाप्रद होगा।" - और यहां वह बाइबिल के कालानुक्रमिक मुद्दे और एक सादृश्य के लिए तर्क देते हैं कि यह मिस्र का कालानुक्रमिक लेखन है। "पांच राजवंशों तेरह से सत्रह (मिस्र के इतिहास में तथाकथित दूसरा मध्यवर्ती काल) के लिए, किंग्स के ट्यूरिन पेपिरस में रिकॉर्ड किया गया है - या जब यह पूरा हो गया था - लगभग 170 राजा जिन्होंने कुल मिलाकर कम से कम 520 वर्षों तक शासन किया। अब हम यह भी जानते हैं कि वे सभी 1786 से ई.पू. के कालखंड के हैं। 1550 ईसा पूर्व, अधिकतम अवधि

केवल लगभग 240 वर्ष।” तो यहां इन 170 राजाओं के लिए आप प्रत्येक राजा के शासनकाल की लंबाई जोड़ते हैं तो आपको 520 मिलते हैं लेकिन वे सभी 240 वर्षों में फिट बैठते हैं। “एक निराशाजनक विरोधाभास? नहीं, हम यह भी जानते हैं कि ये सभी राजवंश आंशिक रूप से समकालीन थे, 520 या उसके आसपास के वर्ष काफी वास्तविक हैं, लेकिन आंशिक रूप से समवर्ती थे, सभी लगातार नहीं। यह आरंभिक इज़राइल के कुछ न्यायाधीशों के लिए भी उतना ही सच साबित हो सकता है, ताकि 553-पी1 यूएस वर्ष लगभग 300 वर्षों में फिट हो जाएँ, ठीक उसी तरह जैसे मिस्र में 520 या उसके लगभग 240 वर्षों में।

अब, यहीं पर वह 1 राजा 6:1 की ओर वापस जाता है। "अब प्राचीन ओरिएंट में, इतिहासकार और अन्य लेखक अक्सर पूर्ण अभिलेखों के अंशों का उपयोग करते थे, और यह 480 वर्षों की व्याख्या कर सकता है - बड़े कुल से लिए गए कुल चयनित आंकड़े (विवरण अब अज्ञात हैं)। दूसरे शब्दों में, मिस्र में 520 साल जैसा कुछ, जिसे हम अन्य विवरणों से जानते हैं, वास्तव में 240 था, इसलिए हो सकता है कि 480 एक प्रकार की समग्र संख्या हो, जैसे मिस्र में 520 है। हम समुच्चय समग्र के सभी विवरण नहीं जानते हैं। “इसलिए जब प्रासंगिक सिद्धांतों को लागू किया जाता है तो विभिन्न आंकड़े सैद्धांतिक रूप से इतने दुर्दम्य नहीं होते हैं। न्यायाधीशों की पुस्तक के भीतर इसे व्यवहार में लाना आसान नहीं है, केवल इसलिए क्योंकि हमें उस अवधि के बारे में वहां या अन्यत्र उपलब्ध जानकारी से अधिक विस्तृत जानकारी की आवश्यकता है। लेकिन यह भी संभावना से परे नहीं है (जैसा कि एक अप्रकाशित प्रारंभिक अध्ययन से स्पष्ट है)। न्यायाधीशों की पुस्तक की समस्या निकट पूर्वी कालक्रम की अन्य प्रसिद्ध समस्याओं की तुलना में कालानुक्रमिक रूप से कम जटिल है - जैसे कि मिस्र में दूसरा मध्यवर्ती काल, या बेबीलोन के हम्मुरापी की तारीख, जहां एक समान स्थिति प्राप्त होती है।

तो देर से तारीख के समर्थक इस 480 वर्षों में क्या करते हैं, जिसके बारे में प्रारंभिक तारीख के समर्थकों का कहना है कि इससे मुद्दा सुलझ जाएगा? देर से लोग वापस आते हैं, यह कहते हुए कि 480 12 पीढ़ियों के लिए एक योजनाबद्ध संख्या है या हो सकता है कि यह किंग्स के लेखक के लिए जो भी स्रोत उपलब्ध थे, उनमें से किसी प्रकार की कुल संख्या हो, उन्होंने यह नहीं बताया कि कुल मिलाकर क्या बना था, लेकिन कह रहे थे कि यह वास्तविकता में 480 वर्ष से भी कम था। अब

क्या आप तर्क का पालन करते हैं?

हालाँकि जैसा कि मैंने न्यायाधीशों के साथ उल्लेख किया है, आप कालानुक्रमिक डेटा को सीधे नहीं ले सकते, क्योंकि इसमें ओवरलैप हो सकता है। सवाल यह है कि ओवरलैप कितना है? फिर से आप इस मुद्दे के साथ धर्मशास्त्र के साथ इतिहास के संबंध के इस प्रश्न पर विचार करें; मुझे नहीं लगता कि तारीख धर्मशास्त्र को प्रभावित करती है। यह वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और ऐतिहासिक विश्वसनीयता का यह प्रश्न निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और हमें मिलने वाली कोई भी जानकारी ऐतिहासिक संदर्भ और निर्गमन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाल सकती है। हम इस दृष्टिकोण के साथ इस पर आते हैं: आइए यह पता लगाने का प्रयास करें कि ऐसी कौन सी जानकारी है जो बाइबिल सामग्री पर प्रकाश डालती है।

2. थुस्टमोस III 1504 से 1450 तक था। लंबा जीवनकाल आइए दूसरे तर्क पर चलते हैं। थुटमोस III 1504 से 1450 तक था। वह लम्बी आयु वाला एक महान बिल्डर था। यदि वह उत्पीड़न का राजा होता तो निर्गमन उसके उत्तराधिकारी अमेनहोटेप द्वितीय के शासनकाल में हुआ होता। अब जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, हाल तक डेल्टा क्षेत्र में 18^{वें} राजवंश के फिरौन के निर्माण का कोई सबूत नहीं था। यदि आप अपने उद्धरणों के पृष्ठ 5, पैराग्राफ बी को देखें, तो यह आरके हैरिसन से लिया गया था जो देर से वकील थे। वह कहते हैं, “निर्गमन में संरक्षित परंपरा कि सरकारी स्टोर-शहरों को जबरन इजरायली श्रम के उपयोग से खड़ा किया गया था, मिस्र में उत्खनन द्वारा स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि की गई है। वाडी तुमिलात में एक प्राचीन स्थल, टेल अल-रेताबेह, माना जाता है कि पेट्री ने इसकी खुदाई मूल रूप से रामसेस में की थी, अब इसे पिथोम के रूप में जाना जाता है। साइट पर काम से रामसेस द्वितीय के समय में निर्मित कुछ विशाल ईंटों का पता चला है, और चूंकि अठारहवें राजवंश के निर्माण या विस्तार का कोई निशान स्पष्ट नहीं था, ऐसा प्रतीत होता है कि जबरन श्रम की निर्गमन परंपरा रामसेस द्वितीय के दिनों को संदर्भित करती है। ” अब जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, हैरिसन आज ऐसा नहीं कह सकता क्योंकि पिछले 10 वर्षों से 18^{वें} राजवंश के निर्माण के साक्ष्य वहाँ डेल्टा में पाए गए हैं।

मुझे लगता है कि प्रारंभिक तिथि के समर्थकों के लिए समस्या यह है: कांतिर या अवारिस की

उस साइट को रामसेस कैसे माना जा सकता है, उन साइटों में से एक को "रामसेस" नामक फिरौन के समय से दो या तीन शताब्दी पहले रामसेस कैसे कहा जा सकता था। 18^{वाँ} राजवंश जब आसपास कोई रामसेस नहीं था? अब प्रारंभिक काल के लोगों द्वारा इस प्रश्न पर दो प्रतिक्रियाएँ हैं कि इस्राएली रामसेस के समय से बहुत पहले से रामसेस पर कैसे काम कर रहे होंगे। ग्लिसन आर्चर एक शुरुआती समय के वकील थे, जो तर्क देते हैं कि रामसेस नाम 19^{वाँ} राजवंश के समय से पहले से जाना और इस्तेमाल किया जाता था। इस नाम से किसी भी फिरौन का उल्लेख नहीं किया गया है, फिर भी उन्होंने 18^{वाँ} राजवंश में इस नाम का उपयोग पाया है। यदि आप अपने उद्धरणों के पहले पृष्ठ को देखते हैं, तो 1974 में *इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी के जर्नल से आर्चर "एन 18^{वाँ} डायनेस्टी रामसेस"* के अंतर्गत दूसरी प्रविष्टि है। मैं उन दोनों को पढ़ने के लिए समय नहीं लेने जा रहा हूँ। पैराग्राफ लेकिन वह 18^{वाँ} राजवंश में रामसेस नाम के उपयोग का प्रमाण देता है। अब आप पृष्ठ दो पर जाएँ, अंतिम तीन पंक्तियाँ, वे कहते हैं, "रामसेस नाम... अमेनहोटेप III के शासनकाल के दौरान, यदि पहले नहीं तो, पहले से ही जाना जाता था और कुलीन वर्गों में इसका उपयोग किया जाता था। इसलिए पंद्रहवीं शताब्दी के मूसा के लिए इससे भली-भांति परिचित होना कोई आश्चर्य की बात नहीं होती।" तो यह एक तर्क है कि नाम का उपयोग पहले ही किया जा चुका था। यह अभी भी समस्याग्रस्त है। यदि वह फिरौन में से एक नहीं होता तो शहर को रामसेस क्यों कहा जाता?

लेकिन दूसरा तर्क यह है कि यह नाम केवल एक पुरातन स्थान के नाम का आधुनिकीकरण है। दूसरे शब्दों में, जिस समय इस्राएलियों ने उस शहर रामसेस पर काम किया था, उस समय रामसेस नाम इसके साथ नहीं जुड़ा होगा। यह कहना बिल्कुल वैसा ही होगा जैसे डच लोग न्यूयॉर्क शहर के मूल निवासी थे। यदि आप कुछ ऐसे लोगों से कहें जो अमेरिकी इतिहास के बारे में ज्यादा नहीं जानते थे तो न्यू एम्स्टर्डम में डच लोग बसे थे, तो वे नहीं जानते होंगे कि आप क्या कह रहे हैं। यदि आपने कहा कि न्यूयॉर्क शहर उस समय था जब डच लोग वहां थे तो इसे वास्तव में न्यू एम्स्टर्डम कहा जाता था, न कि न्यूयॉर्क शहर, तो यह एक पुरातन स्थान के नाम का आधुनिकीकरण होगा। आप कह सकते हैं "यह एक तरह से मनमाना है।"

मुझे नहीं लगता कि ऐसा है क्योंकि यह वास्तव में वही चीज़ है जो उत्पत्ति 14:14 में घटित होती है। उत्पत्ति 14:14 को देखें। यहीं पर इब्राहीम लूट को बचा रहा था, आपने पढ़ा, "जब इब्राहीम

ने सुना कि उसके रिश्तेदार, यानी लूत, को बंदी बना लिया गया है, तो उसने अपने घर में 318 पर फोन किया और दान तक उसका पीछा करता रहा।" अब उत्पत्ति 14:14 की तुलना न्यायाधीश 18:7 और 18:29 से करें। जज 18 में आपके पास दान जनजाति के बारे में कहानी है जो अपने कुछ लोगों को रहने के लिए दूसरी जगह की तलाश में कनान देश के उत्तर में भेज रही है। उन्होंने इस स्थान को पाया और अंततः यहोशू के समय में मूल रूप से उन्हें सौंपी गई भूमि से उत्तर की ओर चले गए। आपने न्यायियों 18:7 में पढ़ा कि पाँच व्यक्ति चले गए और लैश में आए जहाँ वे कहते हैं कि लोग सीदोनियों की तरह सुरक्षा में रह रहे थे, बिना किसी संदेह के और सुरक्षित। और फिर आप पद 29 पर जाते हैं और पढ़ते हैं, "दानियों ने नगर का पुनर्निर्माण किया और वहाँ बस गए। उन्होंने इसका नाम अपने पूर्वज दान के नाम पर दान रखा जो इस्राएल से उत्पन्न हुआ था।" इसलिए शहर को लैश कहा जाता था। "वहाँ दानियों ने अपने लिये मूरतें स्थापित कीं..." आप उत्पत्ति 14 पर वापस जाएं और यह कहता है कि इब्राहीम और उसके सेवकों ने लैश का नहीं, दान का पीछा किया। इब्राहीम के समय में उस स्थान को लैश कहा जाता था, दान नहीं। न्यायाधीशों की अवधि के समय तक इसने डैन नाम नहीं लिया था। उत्पत्ति 14 में यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है कि यह एक पुरातन स्थान के नाम का आधुनिकीकरण है। अब यदि आपके पास वह उत्पत्ति 14 से है तो निर्गमन 1:11 में क्यों नहीं? जब इस्राएलियों ने इस पर काम किया तो इस शहर को कांतिर कहा जाता था। बाद में इसे रामेसेस के नाम से जाना जाने लगा। ताकि जब लोगों को साइट का पुराना नाम याद न रहे तो वे इसे पढ़ सकें और उन्हें पता चले कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।

पृष्ठ के मध्य में अपने उद्धरण पृष्ठ 8 को देखें, यह *पुराने नियम में मेरिल अनगर के पुरातत्व से है*। "पुरातत्व ने टेल अल-रेताबेह में पिथोम और तानिस में रामेसेस का पता लगाया है और संकेत दिया है कि ये शहर (कथित तौर पर कम से कम) रामेसेस द्वितीय द्वारा बनाए गए थे। लेकिन अपने पूर्ववर्तियों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों का श्रेय लेने की रामेसेस द्वितीय की कुख्यात प्रथा के आलोक में, इन साइटों को निश्चित रूप से उसके द्वारा केवल पुनर्निर्माण या विस्तारित किया गया था। इसके अलावा, चूँकि यह सच है कि तानिस को केवल कुछ शताब्दियों के लिए पेरे-रेमासे (रामसेस का घर) कहा जाता था, निर्गमन 1:11 में संदर्भ पुराने शहर, ज़ोन-अवारिस का होना चाहिए, जहाँ उत्पीड़ित इस्राएली थे सदियों पहले इस पर काम किया गया था। तदनुसार, रामेसेस

नाम को डैन (उत्पत्ति 14:14 में लैश के लिए) जैसे एक पुरातन स्थान के नाम के आधुनिकीकरण के रूप में समझा जाना चाहिए।

18^{वां} राजवंश [थुटमोस III मूसा के लंबे जीवन काल में फिट बैठता है; सेटी में नहीं करता

तो इस दूसरे तर्क पर वापस आते हैं, 18^{वें} राजवंश में थुटमोस III एक महान बिल्डर था और डेल्टा क्षेत्र में 18^{वें} राजवंश के निर्माण के प्रमाण हैं। वह दीर्घ जीवन काल वाला एक महान निर्माता था और इस पर बाद में विचार करना महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि मूसा का जीवन काल देर से डेट करने वालों के लिए एक बहुत ही कठिन समस्या पैदा करता है। दिवंगत अधिवक्ताओं के लिए, सेटी, जो उत्पीड़न का फिरौन होगा, का जीवन काल लंबा नहीं था। यदि आप निर्गमन के कालानुक्रमिक आंकड़ों पर जाएं तो आप पाएंगे कि मूसा का जन्म निर्गमन 2:1 में उत्पीड़न के समय हुआ था, “लेवी के घराने के पुरुष ने एक लेवी स्त्री से विवाह किया। वह गर्भवती हुई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया,” और वह मूसा है। व्यवस्थाविवरण 34:7 कहता है कि “मूसा 120 वर्ष का था जब उसकी मृत्यु हुई, तौभी उसकी आँखें कमज़ोर न हुईं, न उसका बल नष्ट हुआ।” निर्गमन 7:7 पर वापस जाएँ जहाँ आप पढ़ते हैं, “मूसा और हारून ने वैसा ही किया जैसा यहोवा ने आदेश दिया था और मूसा 80 वर्ष का था और हारून 83 वर्ष का,” जब उन्होंने फिरौन से बात की। यदि आप प्रेरितों के काम अध्याय 7 में जाते हैं तो मूसा के इस समय का संदर्भ मिलता है, आपको प्रेरितों के काम 7:23 में अधिक कालानुक्रमिक मिलता है जहाँ आप पढ़ते हैं, “जब मूसा 40 वर्ष का था तो उसने अपने साथी इस्राएलियों से मिलने का फैसला किया। उसने अपने साथी इस्राएलियों में से एक को एक मिस्री द्वारा दुर्व्यवहार करते देखा। इसलिए वह उसकी रक्षा के लिए गया और मिस्री को मारकर उसका बदला लिया।” तभी वह 40 वर्ष का था और तभी उसे जंगल में भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन फिर आप पद 29 पर जाएँ, “जब मूसा ने यह सुना तो वह मिद्यान भाग गया जहाँ वह परदेशी के रूप में बस गया और उसके दो बेटे हुए।” फिर श्लोक 30 में, “40 वर्ष बीत जाने के बाद सिनाई पर्वत के निकट रेगिस्तान में एक जलती हुई झाड़ी की लपटों में मूसा को एक स्वर्गदूत दिखाई दिया और प्रभु ने उससे बात की” और पद 34 में उससे कहा कि उसे मिस्र वापस जाना चाहिए और वह

इस्राएल को जुल्म से छुटकारा दिलाएगा। इस प्रकार मूसा 120 वर्ष जीवित रहा। जब वह जंगल में गया तब वह 40 वर्ष का था, और जंगल में वह 40 वर्ष तक रहा। जब वह 40 वर्षों के बाद वापस आये तो वह 80 वर्ष के रहे होंगे। और वह 80 वर्ष के थे जब उन्होंने फिरौन का सामना किया और इस्राएल की रिहाई के लिए कहा। इसलिए मूसा के जीवन काल के बारे में वे कालानुक्रमिक संख्याएँ उत्पीड़न के फिरौन के रूप में थुटमोस III के साथ फिट बैठती हैं, लेकिन वे सेती के जीवन काल के साथ फिट नहीं होती हैं। वहाँ बस पर्याप्त समय नहीं है।

यदि आप अपने उद्धरणों के पृष्ठ 1 पर वापस जाते हैं तो आपको ग्लिसन आर्चर अपने *पुराने नियम के सर्वेक्षण में मिलेंगे परिचय में* कहा गया है, “थुटमोस III के अलावा कोई अन्य ज्ञात फिरौन सभी विशिष्टताओं को पूरा नहीं करता है। रामसेस द्वितीय के अलावा, केवल वह ही लंबे समय तक (हल्शेपसुत के शासनकाल के इक्कीस वर्षों सहित) सिंहासन पर था, जो मूसा के मिस्र से भागने के समय शासन कर रहा था, और मूसा से कुछ समय पहले ही उसकी मृत्यु हो गई थी। ' तीस या चालीस साल बाद, जलती हुई झाड़ी के पास से बुलाओ।" इसलिए, आप कह सकते हैं कि मूसा का जीवनकाल 19^{वें} राजवंश के किसी भी व्यक्ति से अधिक थुटमोस के शासनकाल के साथ बेहतर फिट बैठता है और इसलिए यह प्रारंभिक तिथि है।

3. अमर्ना पत्र: हबीरू बहस

आइए प्रारंभिक तिथि के लिए एक और तर्क पर चलते हैं। प्रारंभिक तिथि के लिए तीसरा तर्क कुछ संदर्भों पर आधारित है जिन्हें हबीरू कहे जाने वाले लोगों को अमर्ना पत्र कहा जाता है। वे हबीरू वे लोग थे जो कनानी नगरों पर आक्रमण कर रहे थे। प्रारंभिक काल के कुछ अधिवक्ताओं ने कहा है कि हबीरू द्वारा कनानी शहरों पर हमला करने के ये संदर्भ वास्तव में हबीरू या इब्रानियों द्वारा कनानी शहरों पर इस्राएलियों द्वारा हमला करने के संदर्भ थे। इन सन्दर्भों में कनान पर इजरायल की विजय है।

अब बात करते हैं उस आइडिया की. अमेनहोटेप III के समय में, 1410-1377 में, मिस्र ने फ़िलिस्तीन पर अपनी पकड़ खो दी। अमेनहोटेप चतुर्थ के समय तक, जो एक अन्य नाम

अखेनाटोन से भी जाना जाता था, हमारे पास ये ग्रंथ हैं जिन्हें अमेनहोटेप चतुर्थ के समय के अमर्ना पत्र कहा जाता है। अमर्ना पत्र कनान में शहर राज्य के शासकों से लेकर मिस्र के शासक तक के हैं। यदि आप अपने उद्धरण पृष्ठ 2 और 3 को देखें, तो वहां अमरना पत्रों के बारे में *प्राचीन अतीत से फाइनगन के प्रकाश की कुछ सामग्री है।* आपने देखा कि तीसरी पंक्ति असीरिया और फ़िलिस्तीन के जागीरदारों, राजकुमारों और राज्यपालों से अमेनहोटेप III और अखेनाटन, जो अमेनहोटेप IV थे, के पत्राचार का प्रतिनिधित्व करती है। मैं यह सब पढ़ने के लिए समय नहीं लूंगा, लेकिन पेज 3 पर जाऊंगा, पेज के शीर्ष पर, जहां आपने पढ़ा, "यरूशलेम में, आब्दी-हेबा गवर्नर था, और उसने अखेनाटन को बार-बार लिखा, मिस्र के सैनिकों की मांग की और यह कहते हुए कि अगर उन्हें नहीं भेजा गया तो पूरा देश मिस्र के हाथ से चला जाएगा।"

उन इंडेंटड पंक्तियों में जो कुछ है वह अमरना के कुछ पत्रों के उद्धरण हैं। यदि आप पृष्ठ के एक तिहाई से थोड़ा नीचे जाते हैं तो आपको यरूशलेम के आब्दी-हेबा के पत्रों में से एक दिखाई देगा। वह कहता है, "आप हबीरू से प्यार क्यों करते हैं," यह नाम है, "और रीजेंट्स से नफरत करते हैं?" परन्तु हे मेरे प्रभु, इस कारण राजा के साम्हने मेरी निन्दा हुई है। क्योंकि मैं कहता हूं, हे मेरे प्रभु, राजा की भूमि नष्ट हो गई। इसलिये हे मेरे स्वामी, राजा के सामने मेरी निन्दा होती है। इसलिये राजा, हे मेरे प्रभु, अपनी भूमि की सुधि ले... राजा अपना ध्यान धनुर्धारियों की ओर लगाए, जिससे हे मेरे प्रभु, राजा के धनुर्धर आगे बढ़ें। राजा की कोई ज़मीन नहीं रहेगी। हबीरू ने राजा की सारी ज़मीनें लूट लीं। यदि इस वर्ष धनुर्धर यहाँ रहेंगे, तो राजा की भूमि, हे प्रभु, बनी रहेगी; परन्तु यदि धनुर्धरी यहां न रहें, तो हे मेरे प्रभु, राजा की भूमि नष्ट हो जाएगी।

तो वह जो कर रहा है वह अमेनहोटेप चतुर्थ से सहायता भेजने के लिए कह रहा है अन्यथा ये हबीरू यरूशलेम पर कब्ज़ा कर लेंगे। यदि आप अमेनहोटेप IV की तारीखों को देखें तो इनमें से कुछ अतिरिक्त-बाइबिल संदर्भ काफी आकर्षक लग सकते हैं। यदि निर्गमन 1446 था। अमेनहोटेप IV 1380 के आसपास है, जंगल में 40 वर्षों को घटाने पर यह 1446 की शुरुआती तारीख से काफी मेल खाता है।

हबीरू चर्चा और विलंबित प्रतिक्रिया हालाँकि हबीरू के रूप में हिब्रू की पहचान निश्चित नहीं है।

यह शब्द एशिया माइनर, यानी वर्तमान तुर्की से लेकर मिस्र, मेसोपोटामिया तक फैले हुए लोगों के लिए उपयोग किया जाता है। यदि आप सभी संदर्भों को देखें, और हबीरू कौन थे, इस पर बहुत सारी किताबें लिखी गई हैं, तो ऐसा लगता है जैसे यह एक जातीय समूह के बजाय एक सामाजिक वर्ग को नामित करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि हबीरू अर्ध-खानाबदोश थे जो विभिन्न समयों पर इधर-उधर घूमते रहे, अधिक गतिहीन जीवन जीने लगे, लेकिन वे घुमक्कड़ थे। यदि आप पेज 6, पैराग्राफ बी को देखें, तो यह किचन से है - निश्चित रूप से, किचन लेट डेट का समर्थक है - वह हिब्रू के साथ हबीरू की पहचान नहीं करेगा क्योंकि यह उसके लेट डेट सिद्धांत में फिट नहीं बैठता है। लेकिन यहाँ उसका दृष्टिकोण है। "इसलिए, अमर्ना हबीरू का पलायन या विजय की तारीख से कोई सीधा संबंध नहीं है।" इसलिए वह उन्हें बाहर कर देता है, इसलिए वे देर की तारीख का समर्थन नहीं कर सकते क्योंकि ये घटनाएँ 15-14वीं शताब्दी ईसा पूर्व की हैं।

मुझे लगता है कि यह एक अच्छा कथन है जिसे किचन प्रमाणित कर सकता है, "जैसा कि बहुत पहले कहा गया है कि हिब्रू लोग हबीरू रहे होंगे," दूसरे शब्दों में वे 40 वर्षों तक जंगल में भटकते रहे और अन्य लोगों ने उन्हें हबीरू के रूप में संदर्भित किया होगा। "इब्रानी लोग हबीरू हो सकते हैं - लेकिन सभी हबीरू बाइबिल आधारित इब्रानी नहीं थे," यह स्पष्ट है, "और न ही बाहरी डेटा में किसी विशेष समूह को अभी तक इब्रानियों के अनुरूप पहचाना जा सकता है।"

तो ऐसा लगता है कि हमें अमर्ना अक्षरों के हबीरू को हिब्रू के साथ जोड़ने में बहुत सावधान रहना होगा, भले ही यह प्रारंभिक तारीख का समर्थन कर सकता है। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, हबीरू शब्द का प्रयोग 18^{वीं} सदी से 12^{वीं} सदी तक एशिया माइनर से मिस्र तक के लोगों के लिए किया जाता है, और मिस्र में हबीरू का उल्लेख 1100 के दशक में रामसेस चतुर्थ के समय से ही मिलता है। इसलिए या तो उनकी पहचान इब्रानियों से नहीं की गई है या इब्रानियों ने निर्गमन के समय मिस्र नहीं छोड़ा था। इसलिए आपको अमर्ना लेखन के बारे में बहुत सावधान रहना होगा। कोई हबीरू की तुलना इब्रानियों से नहीं कर सकता, और इसलिए उस पहचान के कारण आप यह नहीं कह सकते कि निर्गमन जल्दी हुआ था।

ठीक है, आइए इस बिंदु पर रुकें और अगले घंटे शुरूआती तारीख के लिए कुछ और तर्क चुनें और फिर किसी और चीज़ पर आगे बढ़ें।

पीटर फील्ड द्वारा प्रतिलेखित, टेड हिल्लेब्रांट द्वारा तय किया गया
टेड हिल्लेब्रांट द्वारा रफ संपादित
केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन
टेड हिल्लेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया